विद्या भवन बालिका विद्यापीठ

शक्ति उत्थान आश्रम लखीसराय

विषय संस्कृत दिनांक 23 नवंबर 2020

वर्ग षष्ठ शिक्षक राजेश कुमार पाण्डेय

एन० सी० ई० आर० टी० पर आधारित ।

हास्यालापाः

संस्कृत से हिंदी अर्थ सहित।

2 - सुधीरः- जानासि त्वं सर्वे जनाः मम् जनकस्य अग्रे शिरः नमन्ति ?

तुम सभी जानते हो मेरे पिता के निकट सभी लोग सिर झुकाते हैं ?

रमेशः - सुधिर ! किं तव पिता प्रधानमन्त्री अस्ति ।

सुधीर क्या तुम्हारे पिता प्रधानमंत्री हैं।

सुधीर - नहि, नहि, मम पिता तु नापितः अस्ति ।

नहीं, नहीं मेरे पिता तो नौवा हैं।

3- शिक्षकः -(छात्रान् प्रति) यदि यूयं स्वनेत्राणि निमीलितानि कुरूथंतर्हि यूयं किञ्चिदपि द्रुष्टुं न शक्नुथ ।

(छात्र की ओर बोलते हुए) यदि तुम लोग अपनी आंखों को बंद कर कुछ लिखते हो तो नहीं दिखाई पड़ता है

छात्रः- श्रीमन् ! अहं तु पश्यामि।

छात्र- श्रीमान मैं तो देखता हूँ ।

शिक्षकः – किं पश्यसि ?

क्या देखते हो ?

छात्रः – अन्धाकरम् ?

अंधकार।